TESS-India MOOCs के 'रियल लिव्ड स्पेसेस' के साथ साक्षात्कार

आरंभ में, मैं TESS-India योजना की टीम के साथ २०१६ MOOC के लिए सामग्री विकसित करने में सहायता देने के लिए जुड़ा.

ओपन यूनिवर्सिटी के 'इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' में कार्य करते समय मैं कई सालों तक 'ओपन ऑनलाइन कोर्सेज' का मूल्यांकन करने में शामिल था, इसलिए आशा थी कि भागीदारी, सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं और प्रतिभागियों के साथ साक्षात्कारों के विश्लेषण से प्राप्त जानकारी टीम को अपनी 'लर्निंग डिज़ाइन' विकसित करने में सहायता देगी.

तब से मैं हिंदी MOOC की लीड टीम और राज्य प्रतिनिधियों के लिए भारत में प्रशिक्षण सत्र चलाने में शामिल रहा हूँ, मैंने योजना के मूल्यांकन और वरिष्ठ राज्य अधिकारियों के बीच उसके प्रचार और प्रसार में योगदान दिया है, और अभी हाल ही में, 'प्री-ओन्ड' और उभरती तकनीक के सम्मिश्रण के संभावित अगले कदम पर कार्य किया है.

२०१६ का TESS-India MOOC अंग्रेजी में प्रस्तुत किया गया था, और फिर एक साल के अंदर हिंदी में.

यह कोर्स संख्याओं के सम्बन्ध में एक शानदार सफलता दिखलाता है: न केवल ४०,००० से ऊपर शिक्षकों ने - जो मुख्यतया भारत में रहने वाले थे - रजिस्टर किया, पर इस कोर्स का समापन दर ५०% पार कर गया.

एक MOOC के लिए यह (संख्या) उल्लेखनीय रूप से बड़ी है.

संतुष्टि (९८% ने हिंदी MOOC का 'बहुत अच्छे' या 'अच्छे' के रूप में मूल्यांकन किया), और इसके साथ ही यह विश्वास कि यह MOOC व्यक्तिगत 'प्रोफेशनल प्रैक्टिस' के लिए लाभप्रद होगा, उत्तम थे.

इस सफलता के कारणों में शामिल हैं: जिस भली प्रकार MOOC को योजना की मौजूदा गतिविधियों के साथ समन्वित किया गया, प्रभावी रूप से स्थानीय 'लॉजिस्टिकल इंफ्रास्ट्रक्चर्स' का निर्माण, दूसरी प्रस्तुति के लिए हिंदी में अनुवाद, और MOOC का एक 'इवेंट' के रूप में उपयोग करने का उद्देश्य, जो योजना द्वारा विकसित किए गए OER संसाधनों के प्रयोग से शिक्षकों को परिचित कराए, उनका मार्गदर्शन करे, और उनकी सहायता करे.

योजना के आगे बढ़ने के बाद ही इन अवयवों का महत्त्व स्पष्ट हुआ.

शिक्षा व्यवस्था के हर स्तर पर - राज्य अधिकारियों और योजना द्वारा नामित राज्य प्रतिनिधियों से लेकर महाविद्यालय निर्देशकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और प्रशिक्षु शिक्षकों तक - इस MOOC द्वारा दिया गया 'फोकस' शिक्षकों में दिलचस्पी पैदा करने और उन्हें उत्साहित करने में सहायक हुआ.

यह प्रतिभागियों की दृष्टि में इस MOOC के लिए समर्थन पाने में, और एक व्यावहारिक 'नेटवर्क' के निर्माण में जिसके अंतर्गत स्थानीय 'कांटेक्ट क्लासेज' (संपर्क कक्षाएं) आयोजित की गयी थीं, सहायक हुआ.

इन 'कांटेक्ट क्लासेज' ने MOOC प्रतिभागियों को एक दूसरे से मिलने के लिए एक 'रियल स्पेस' (वास्तविक स्थान) उपलब्ध कराया – अक्सर MOOC की गतिविधियों पर आधारित एक सत्र में भाग लेने के लिए, इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करने के लिए, या दूसरे प्रतिभागियों से मिलने के लिए.

यह तथ्य कि ऐसी ही कई सौ कक्षाऐं कई राज्यों में आयोजित की गईं, 'ऑर्गनाइजेशनल रीच' (संगठनात्मक पहुँच) और प्रभाव का विस्तार दर्शाता है.

MOOC के बाद, हमने 'प्री' और 'पोस्ट' सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं का विस्तृत विश्लेषण किया.

दूसरे कई MOOCs के विश्लेषण के समान, इस (विश्लेषण) ने कई दिलचस्प 'इनसाइट्स' और कुछ आश्चर्यजनक बातें प्रस्तुत कीं.

तब से योजना की और भी उपलब्धियां रही हैं.

उदाहरण के लिए, पिछले साल मध्य प्रदेश - एक राज्य जिसका विस्तार पूरे UK के समान है - की राज्य सरकार ने हर शिक्षक के लिए एक SD कार्ड, जिसे TESS-India संसाधनों से 'लोड' किया जा सके, खरीदने के लिए धन उपलब्ध कराया है.

यह वस्तुतः TESS-India OER को हज़ारों शिक्षकों के हाथों में रखता है.

इसी राज्य से एक दूसरा उदाहरण लेते हुए, MOOC की सफलता के बाद, एक हज़ार से ज़्यादा TESS-India 'मेटल बैजेस' बनाए गए हैं और कोर्स को पूरा करने वालों में वितरित किए गए हैं.

एक ऐसे समय पर जब 'रियल' कक्षाओं में 'डिजिटल बैजेस' पुरस्कृत करने का प्रयास किया जा रहा है, यह एक रोचक उदाहरण प्रस्तुत करता है जहाँ इस प्रक्रिया को उलट दिया गया है - 'डिजिटल कोर्सेज' के लिए 'रियल बैजेस' पुरस्कृत करना.

बेशक, मूल 'हैडलाइन फिगर्स' (शीर्षक संख्याएँ) रिपोर्ट करते समय, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हर लॉगिन, हर सर्वेक्षण प्रतिक्रिया, हर SD कार्ड जो किसी फ़ोन में डाला गया, या हर बैज जो किसी शर्ट में पिन किया गया, एक व्यक्तिगत कहानी से हमें जोड़ता है.

और 'ओपन ऑनलाइन डिस्टेंस कोर्सेज' के लिए, जो अपने स्रोत (जहाँ वे लिखे गए थे) से हज़ारों मील दूर घटित होते हैं, अक्सर ये कहानियां ही हैं जिन्हें पूरी तरह दर्ज करना और संदर्भित करना इतना कठिन है.

मुझे ज्ञात नहीं था कि योजना से जुड़ने के एक साल बाद मैं भारत जाऊँगा और मुझे इस MOOC के कुछ प्रतिभागियों का आमने-सामने साक्षात्कार करने का अवसर प्राप्त होगा; वे प्रतिभागी, जिन्हें एक महीने पहले तक मैं केवल हमारी 'SPSS स्प्रेडशीट' में डेटा की पंक्तियों के रूप में ही जानता था.

यात्रा का सबसे आनंदप्रद, यद्यपि 'लोगिस्टिकली' व्यस्त भाग, मध्य प्रदेश के तीन शहरों में स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के दौरे थे.

इन दौरों का उद्देश्य 'स्टाफ' और छात्रों पर MOOC के प्रभाव के बारे में अधिक जानने के लिए योजना की सहायता करना था: इसे कैसे अंगीकार किया गया, प्रतिभागियों के लिए यह क्या अर्थ रखता था, और तत्पष्चात्त शिक्षकों के रूप में उन (प्रतिभागियों) की 'प्रैक्टिस' और उनके कामकाजी जीवन पर पड़े प्रभाव.

इन (दौरों) ने MOOC में ओपन यूनिवर्सिटी की 'वर्चुअल' उपस्थिति को उन (प्रतिभागियों) के महाविद्यालयों में एक 'रियल' उपस्थिति से जोड़ने का भी काम किया.

इस दौरे के दौरान ही मुझे शिक्षकों और प्रशिक्षु शिक्षकों पर हो रहे इस MOOC के, और अधिक व्यापक रूप से इस योजना के, छोटे लेकिन अर्थपूर्ण प्रभावों का महत्त्व समझ में आया.

उदाहरण के रूप में लीजिए, एक शिक्षक प्रशिक्षक जो भोपाल के निकट एक शहर में काम कर रहे थे.

महाविद्यालय के दौरे के समय हमें उनका TESS-India MOOC पूरा करने का प्रमाणपत्र दिखाया गया - गर्व के साथ उनकी मेज़ पर प्रदर्शित, कई प्रकार की 'कटिंग्स' और दस्तावेज़ों से घिरा हुआ और एक हिफ़ाज़ती कांच के शीशे के नीचे.

बाद में हमारे साक्षात्कार के दौरान उन्होंने बताया कि वे एक लैपटॉप ले आए थे, और कैसे शिक्षकों को ऑनलाइन जाने और MOOC का अध्ययन करने हेतु एक स्थानीय 'हॉटस्पॉट' उपलब्ध करने के लिए उसका उपयोग किया था.

एक दूसरे शिक्षण महाविद्यालय में, प्रधानाध्यापक के दफ्तर के सामने और शीशे के दरवाज़ों के दाहिने हाथ पर मुख्य प्रवेशकक्ष में, एक सूचना पट्ट पूरी तरह से MOOC के बारे में हिंदी में जानकारी, मार्गदर्शन और समय-सारणियों के लिए समर्पित किया गया था.

इस सारी सामग्री की तैयारी और स्थानीयकरण स्टाफ द्वारा किए गए थे.

यह अपेक्षा करना कि सारे प्रशिक्षु शिक्षकों ने इस सामग्री को पढ़ा अवास्तविक होगा, लेकिन डेटा यह दर्शाता है कि कइयों ने ऐसा किया.

दूसरे साक्षात्कारों से प्रत्यक्ष हुआ कि कुछ शिक्षक थे, जिनके लिए 'ऑनलाइन लर्निंग', 'पीयर रिव्यु', यहाँ तक कि ईमेल एड्रेस के लिए रजिस्टर करना भी MOOC के द्वारा उनके लिए नए अनुभव थे.

कुछ शिक्षकों ने एक विशिष्ट संसाधन या विचार का उल्लेख किया, जो उनके लिए कोर्स के 'टेक-अवे' या प्रेरणा थी.

OER और MOOC के साथ इस प्रकार का स्थानीय स्तर पर समर्थित अथवा संचालित 'इंगेजमेंट' कई बार दोहराया गया.

इस प्रकार, आंशिक रूप में, हम ४०,००० रजिस्ट्रेशन और ५०% से अधिक समापन की उन 'हैडलाइन फिगर्स' की ओर बढ़ते हैं.

इसके अतिरिक्त, ये उदहारण दर्शाते हैं कि कैसे यह योजना और इसके 'आउटपुट्स', इसमें शामिल होने वालों के लिए उपयोगिता के साथ ही साथ अर्थ भी पाते चले गए.

यह अनुभव किसका द्योतक बन गया है, और उसका क्या स्वरूप है, इस पर हमारा अनुसंधान अभी जारी है.

हालांकि राज्य स्तर पर, व्यापक कार्यनीति पर इस योजना का पहले ही बड़ा प्रभाव पड़ा है.

मध्य प्रदेश में, UK की टीम से परामर्श करते हुए, राज्य ने 'शाला सिद्धि' के नाम से एक नई राष्ट्रीय विद्यालय सुधार योजना के साथ TESS-India OER के संसाधनों की 'मैपिंग' करने का कार्य आरम्भ किया है.

२०१६-१७ में TESS-India का यह शिक्षा 'इवेंट' प्रभावी रूप से 'वर्चुअल' और 'रियल' संरचनाओं, संसाधनों और नेटवर्क्स का सम्मिश्रण कर पाया; 'वर्चुअल' और 'रियल स्पेसेस' को एक-दूसरे से जोड़ते हुए.

शिक्षकों के लिए योजना द्वारा उपलब्ध कराए गए विविध 'प्रोफेशनल डेवलपमेंट रिसोर्सेज' को प्रत्यक्ष बनाने के लिए, और 'इंगेजमेंट' को प्रोत्साहित करने के लिए, यह (इवेंट) एक प्रेरक था.

यात्रा कर पाना, प्रतिभागियों और आयोजकों से बात कर पाना, और 'ऑनलाइन लर्निंग' के लिए जो स्थान और समाधान पाए गए, उन्हें देख पाना - यह इसे दूसरे MOOCs (जिनसे मैं जुड़ा रहा हूँ) से सुभिन्न करते हैं.

इसने कुछ अद्भुत और अप्रत्याशित 'इनसाइट' प्रस्तुत किए.

निस्संदेह, 'ओपन' और 'ऑनलाइन लर्निंग' की भूमिका और प्रभाव समझने के लिए, इस प्रकार के और भी अनेक अनुसंधान आवश्यक हैं.

यह हमें यह भी याद दिलाता है कि हर 'ऑनलाइन, वर्चुअल लर्निंग एक्सपीरियंस', किसी वास्तविक स्थान में ही घटित होता है.